

चरणों में मल्ल के. काटो उमरिया
 मैया भजन में. काटो उमरिया
 ये तन बड़ी-मुश्किल में पायो
 मुश्किल पायो बड़ी मुश्किल पायो
 भूल गयो रे. काहे अपनी डगारिया
 मैया भजन....चरणों में....
 परखे अपने और विराने. और विराने और विराने
 मतलब की रे - सारी नगरिया
 मैया भजन....चरणों में....
 रात-दिना तोहे, चैन न आयो
 चैन न आयो तोहे चैन न आयो
 खूब गद्दी रे लेने महल अटारिया
 मैया भजन....चरणों में....
 चार झने मिल खाट-उठेहें
 खाट उठेहें तेरो ढाढ उठेहें
 अन्त मिलें रे तोहे सूखी लकड़िया
 मैया भजन....चरणों में....
 कहत "श्री बाबा श्री" सुनो सब साथी
 मेरे साथी ओ मेरे साथी
 कैयों दिखे हो जा पाप गठारिया
 मैया भजन....चरणों में....